MJC-2

BA (III), Psychology (H)

Paper 4, Social Psy.

Topic Meaning of prejudice:

पूर्वधारणा को अंग्रेजी भाषा में Prejudice कहते हैं जिसकी उत्पत्ति लैटिन शब्द प्रेजुडिसियम (Prejudicium) से हुई है इस लैटिन शब्द का अर्थ होता है बिना समुचित परीक्षण किये कोई निर्णय ले लेना। जो विवेक रहित एवं अवांछनीय हो अतः पूर्वधारणा समाज मनोविज्ञान का अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। पूर्वधारणा की उत्पत्ति सामाजिक द्वंद से होती है समस्त प्राणियों के बीच, प्रजातियों के बीच धर्मों के बीच, राज्यों के बीच, राष्ट्रों के बीच और भाषाओं के बीच आपस में संघर्ष होते रहते हैं जिसका एक मात्र कारण पूर्वधारणा है अतः पूर्वधारणा किसी वस्तु या बात की बिना परीक्षण किये हुये उसके बारे में कोई धारणा बना लेते हैं वह पूर्वधारणा कहलाता है। इसे विभिन्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा भिन्न-भिन्न तरीके से परिभाषित किया गया है जो निम्नलिखित है।

जेम्स डेवर (James Dever) — पूर्वधारणा एक अभिव्यक्ति है जो संवेगात्मक होती है जो विशेष कार्य, विशेष व्यक्तियों या विशेष सिद्धांतों के प्रति प्रतिकूल या अनुकूल होती है।

उपर्युक्त परिभाषा के आधार पर यह

कहा जा सकता है कि पूर्वधारणा एक संवेगात्मक अभिवृत्ति है जो व्यक्तियों, वस्तुओं, कामों के प्रति अनुकूल या प्रतिकूल होती है।

किम्बल यंग (K. Young) पूर्वधारणा किसी व्यक्ति का अन्य व्यक्ति के प्रति विचार है जो सांस्कृतिक मूल्यों एवं अभिवृत्तियों पर आधारित है।

उपर्युक्त परिभाषा के आधार पर यह कहा जा सकता है कि पूर्वधारणा पूर्वनिर्धारित विचार है जो सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों एवं अभिवृत्तियों पर आधारित है।

ऑगबर्न (ogburn) पूर्वधारणा बिना परीक्षण के अतिशीघ्र निर्णय से बनी है।

उपर्युक्त परिभाषा के आधार पर हम यह कह सकते है कि पूर्वधारणा एक ऐसा निर्णय है जो भावनात्मक पक्ष को छोड़ देती है जो व्यक्ति की अनुकूल या प्रतिकूल प्रतिक्रिया को नियंत्रित करती है।

पूर्वधारणा का सकारात्मक (Positive) एवं नकारात्मक (Negative) दोनों ही महत्वपूर्ण है।

उपर्युक्त परिभाषा के आधार पर पूर्वधारणा की निम्नलिखित घटक

है बांटा जा सकता है

① संज्ञानात्मक (Cognitive)

② भावात्मक (Emotional)

③ क्रियात्मक (Connative)

पूर्वधारणा बिना परीक्षण के ~~किए~~ लिया गया एक ऐसा निर्णय है जो दूसरे समूहों के संबंध में प्रतिकूल एवं निषेधात्मक भावनाएँ प्रदर्शित करती है। यदि कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति या समूहों के प्रति पूर्वधारणा रखता है तो उसके प्रति प्रतिकूल व्यवहार भी करता है सामाजिक भगाव, घृणा, संकीर्णता, उपेक्षा इत्यादि भावनाएं भी पूर्वधारणा के कारण विकसित होती है जो पूर्वधारणा का नकारात्मक पहलू है परन्तु पूर्वधारणा का कुछ सकारात्मक पक्ष भी है समाज की ~~विवि~~ विभिन्न व्यवस्थाएँ पूर्वधारणा के कारण व्यवस्थित रहती है समाज का प्रत्येक वर्ग अपने नैतिक द्वारा अपनी जाति या वर्ग को ऐसे कार्य नहीं करने देता जो समाज द्वारा उपेक्षित हो

Kumar Patel 7/7/2020
A professor
Maharaja College
Arrah